an>

Title: Regarding drought situation in the Country.

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा) : अध्यक्ष महोदया, हृदय से बहुत-बहुत धन्यवाद। अध्यक्ष जी, वैसे तो आपने चर्चा के लिए कह दिया है कि इस पर चर्चा होगी, इसलिए मैं उस पर ज्यादा नहीं कहना चाहूंगा।

देश में कई फ्रमवार चर्चाएं आ चुकी हैं कि 360 जिले परेशान हैं और स्थिति अभी भी चिंताजनक है। अभी एक व्हाट्सएप आया है कि कल लातूर में मिनिमम हजारों चिड़िया पानी के चलते मर चुकी हैं। इस देश में पानी के चलते चिड़ियों की मौत हो रही हैं। बिहार में 38 जिले हैं, जिनमें 22 जिलों में बिहार में पानी 300, 150 और 70 फीट से नीचे है। दो गरीब मजदूर पानी के बगैर वहां मर चुके हैं। जहां पानी है, वह पानी पीने के लायक नहीं है। हिंदुस्तान में सबसे ज्यादा नदियां बिहार में हैं, 14 नदियां बिहार में हैं। उनमें गंगा के साथ कोसी है, कमला है, महानंदा है, गंडक है, सोन है। इतनी नदियों के बावजूद आजादी के बाद आज तक कोई ऐसी सरकार इन नदियों को जोड़कर, मध्य बिहार और उत्तर बिहार में हम बंटे हुए हैं, उत्तर बिहार कभी बाढ़ से प्रभावित होता था और मध्य बिहार सुखाड़ से प्रभावित होता था। हम आग्रह करना चाहेंगे कि केन्द्र सरकार को सारे कार्यों को छोड़कर हिंदुस्तान में पानी और सुखाड़ की व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए, ताकि इस हिंदुस्तान के 120 करोड़ लोगों के जीवन को संरक्षण दिया जा सके। आज के दिन में यह हिंदुस्तान के लिए जीवन और मौत का सवाल है। मन की बात, जो आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी ने कहा है, उसको कई करोड़ गुना ज्यादा आपको आगे लाकर हिंदुस्तान के खासतौर से किसान, मजदूर और गरीब जो खेत और पीने के पानी के कारण अत्यधिक परेशान हैं, इस ओर ध्यान दिया जाना चाहिए। मैं आपसे आग्रह करूंगा, बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र, श्री चन्द्र प्रकाश जोशी और कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री राजेश रंजन द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।